हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	12.12.23	2	2-6

कृषि में नए आयाम स्थापित करने में लैब होगी कारगर

एचएयू में किया गया रोबोटिक्स एवं ऑटोमेशन लैब का उद्घाटन

हिसार में एचएयू में डॉ.आरसी अग्रवाल रोबोटिक्स एंव ऑटोमेशन लैब का शुभारंभ करते हुए।

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। एचएयू के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में स्थित रोबोटिक्स एवं ऑटोमेशन लैब का उद्घाटन उप महानिदेशक, आईसीएआर, नई दिल्ली के डॉ. आरसी अग्रवाल ने किया। यह रोबोटिक्स और ऑटोमेशन लैब, नेशनल एग्रीकल्चरल हायर एजुकेशन प्रोजेक्ट (एनएएचइपी)-इंस्टीट्यूट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (आईडीपी) के अंतर्गत भारत सरकार और विश्व बैंक की सहायता से स्थापित की गई है।

उप महानिदेशक डॉ. आरसी अग्रवाल ने उद्घाटन के दौरान कहा कि इस प्रकार की लैब भारतीय कृषि को तकनीक के एक [illegible] साबित होगी।

उन्होंने कृषि तकनीक के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एनएएचईपी-आईसीएआर की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया तथा कहा की हरियाणा के छात्रों के तकनीकी कौशल को बढ़ाने के लिए एनएएचइपी-आईसीएआर की तरह अन्य परियोजनाओं को जारी रखना चाहिए जिससे स्थानीय उद्योगों और वैश्विक कंपनियों के लिए कौशल युक्त अभियंता तैयार हो सके।

विवि कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा की इस लैब को स्थापित करने के पीछे मुख्य उद्देश्य छात्रों को कृषि, कृषि संबंधित तकनीकों में नवीनतम तकनीकों के साथ परिचित करना है जिनमें मुख्यतः कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, ड्रोन, सेंसर, प्रिसीजन कृषि आदि शामिल हैं। यह प्रयोगशाला विभिन्न सेंसर्स के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए उपयुक्त है। मोबाइल, कंप्यूटर, और सेंसर के माध्यम से विभिन्न कृषि गतिविधियों जैसे कि स्मार्ट फार्मिंग, प्राथमिक प्रसंस्करण, मृदा की नमी, मौसम की जानकारी, फसल के रोग और इसके उपचार जैसी कृषि सूचना को इंटरनेट के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।

इस अवसर पर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के डीन डॉ. बलदेव डोगरा, विभागाध्यक्ष डॉ. विजया रानी सहित सभी महाविद्यालयों के डीन, निदेशक और अधिकारी तथा कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के सभी विभागों के विभागाध्यक्ष एवं

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	12.12.23	9	2-5

रोबोटिक्स व ऑटोमेशन लैब कृषि में नए आयाम स्थापित करने में कारगर होगी : डॉ. अग्रवाल

- **हकृवि में किया गया रोबोटिक्स एवं ऑटोमेशन लैब का उद्घाटन**

हरिभूमि न्यूज ⏩हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में स्थित रोबोटिक्स एवं ऑटोमेशन लैब का उद्घाटन उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा), आईसीएआर, नई दिल्ली डॉ. आरसी अग्रवाल द्वारा कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की अगुवाई में किया गया। यह रोबोटिक्स और ऑटोमेशन लैब, नेशनल एग्रीकल्चरल हायर एजुकेशन प्रोजेक्ट (एनएएचइपी)-इंस्टीट्यूट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (आईडीपी)के अंतर्गत भारत सरकार और विश्व बैंक की सहायता से स्थापित की गई है। उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आरसी अग्रवाल ने उद्घाटन के दौरान कहा कि इस प्रकार की लैब भारतीय कृषि को तकनीक के एक नए युग में पहुंचाने में एक मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कृषि तकनीक के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने हेतु एनएएचइपी-आईसीएआर की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया तथा कहा की हरियाणा के छात्रों के तकनीकी कौशल को बढ़ाने के लिए एनएएचइपी-आईसीएआर की तरह अन्य परियोजनाओं को जारी रखना चाहिए जिससे स्थानीय उद्योगों और वैश्विक कंपनियों के लिए कौशल युक्त अभियंता तैयार हो सके।

हिसार। रोबोटिक्स एवं ऑटोमेशन लैब का उद्घाटन करते उप महानिदेशक डॉ. आरसी अग्रवाल व अन्य। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

मौके पर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के डीन डॉ. बलदेव डोगरा, विभागाध्यक्ष डॉ. विजया रानी सहित सभी महाविद्यालयों के डीन, निदेशक और अधिकारी तथा कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के सभी विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित थे।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	12.12.23	4	1-2

रोबोटिक्स एवं आटोमेशन लैब कृषि में कारगर होगी : डा. आरसी

उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डा. आरसी अग्रवाल रोबोटिक्स एवं आटोमेशन लैब का उद्घाटन करते हुए। • पीआरओ।

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में स्थित रोबोटिक्स एवं आटोमेशन लैब का उद्घाटन उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) आइसीएआर नई दिल्ली डा. आरसी अग्रवाल द्वारा कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज की अगुवाई में किया गया। यह रोबोटिक्स और आटोमेशन लैब, नेशनल एग्रीकल्चरल हायर एजुकेशन प्रोजेक्ट (एनएएचइपी)-इंस्टीट्यूट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (आइडीपी) के अंतर्गत भारत सरकार और विश्व बैंक की सहायता से स्थापित की गई है।

उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डा. आरसी अग्रवाल ने कहा कि इस प्रकार की लैब भारतीय कृषि को तकनीक के एक नए युग में पहुंचाने में एक मील का पत्थर साबित होगी। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा कि इस लैब को स्थापित करने के पीछे मुख्य उद्देश्य छात्रों को कृषि, कृषि संबंधित तकनीकों में नवीनतम तकनीकों के साथ परिचित करना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	12.12.23	2	5-6

रोबोटिक्स एवं ऑटोमेशन लैब कृषि में नए आयाम स्थापित करने में कारगर होगी : डॉ. अग्रवाल

हिसार, 11 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में स्थित रोबोटिक्स एवं ऑटोमेशन लैब का उद्घाटन उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा), आई. सी. ए. आर. डॉ. आर.सी. अगवाल द्वारा कुलपति प्रो. बी.आर. कम्बोज की अगवाई में किया गया।

यह रोबोटिक्स और ऑटोमेशन लैब, नैशनल एग्रीकल्चरल हायर एजुकेशन प्रोजेक्ट-इंस्टीट्यूट डिवैल्पमैंट प्रोजेक्ट के अंतर्गत भारत सरकार और विश्व बैंक की सहायता से स्थापित की गई है।

उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने कहा कि रोबोटिक्स एवं ऑटोमेशन लैब कृषि में नए आयाम स्थापित करने में कारगर होगी। कुलपति प्रो. बी.आर. कम्बोज ने कहा की इस लैब को स्थापित करने के पीछे मुख्य उद्देश्य छात्रों को कृषि, कृषि संबंधित तकनीकों में नवीनतम तकनीकों के साथ परिचित करना है जिनमे मुख्यत: कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, ड्रोन, सेंसर, कैड डिजाइनिंग और सिम्युलेशन, प्रिसीजन कृषि आदि शामिल हैं।

लैब का उद्घाटन करते उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	12-12-23	9	1

रोबोटिक्स एवं ऑटोमेशन लैब कृषि में नए आयाम स्थापित करने में कारगर होगी: डॉ. अग्रवाल

हिसार(सच कहूँ/ श्याम सुन्दर सरदाना)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में स्थित रोबोटिक्स एवं ऑटोमेशन लैब का उद्घाटन उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा), आई. सी. ए. आर., नई दिल्ली डॉ. आर.सी. अग्रवाल द्वारा कुलपति प्रो. बी.आर. कम्बोज की अगुवाई में किया गया। यह रोबोटिक्स और ऑटोमेशन लैब, नैशनल एग्रीकल्चरल हायर एजुकेशन प्रोजेक्ट (एनएएचइपी)-इंस्टीट्यूट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (आईडीपी)के अंतर्गत भारत सरकार और विश्व बैंक की सहायता से स्थापित की गई है। उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने उद्घाटन के दौरान कहा कि इस प्रकार की लैब भारतीय कृषि को तकनीक के एक नए युग में पहुंचाने में एक मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कृषि तकनीक के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने हेतु एनएएचइपी-आईसीएआर की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया तथा कहा की हरियाणा के छात्रों के तकनीकी कौशल को बढ़ाने के लिए एनएएचइपी-आईसीएआर की तरह अन्य परियोजनाओं को जारी रखना चाहिए जिससे स्थानीय उद्योगों और वैश्विक कंपनियों के लिए कौशल युक्त अभियंता तैयार हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	11.12.2023	--	--

हकृवि में किया गया रोबोटिक्स एवं ऑटोमेशन लैब का उद्घाटन

रोबोटिक्स एवं ऑटोमेशन लैब कृषि में नए आयाम स्थापित करने में कारगर होगी : डॉ. अग्रवाल

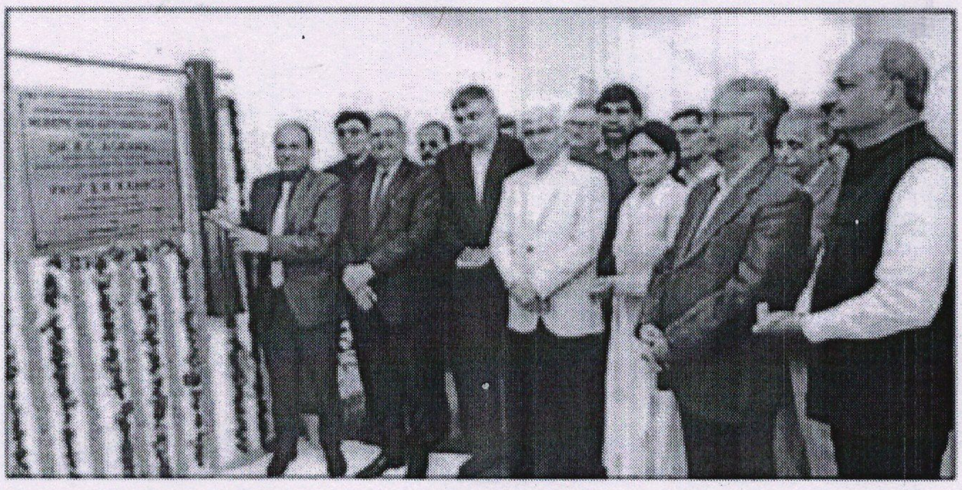

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में स्थित रोबोटिक्स एवं ऑटोमेशन लैब का उद्घाटन उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा), आईसीएआर, नई दिल्ली डॉ. आर.सी. अग्रवाल द्वारा कुलपति प्रो. बी.आर. कम्बोज की अगुवाई में किया गया। यह रोबोटिक्स और ऑटोमेशन लैब, नैशनल एग्रीकल्चरल हायर एजुकेशन प्रोजेक्ट (एनएएचईपी)-इंस्टीट्यूट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (आईडीपी)के अंतर्गत भारत सरकार और विश्व बैंक की सहायता से स्थापित की गई है।

उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने उद्घाटन के दौरान कहा कि इस प्रकार की लैब भारतीय कृषि को तकनीक के एक नए युग में पहुंचाने में एक मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कृषि तकनीक के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने हेतु एनएएचईपी-आईसीएआर की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया तथा कहा की हरियाणा के छात्रों के तकनीकी कौशल को बढ़ाने के लिए एनएएचईपी-आईसीएआर की तरह अन्य परियोजनाओं को जारी रखना चाहिए जिससे स्थानीय उद्योगों और वैश्विक कंपनियों के लिए कौशल युक्त अभियंता तैयार हो सकें।

हकृवि कुलपति प्रो. बी.आर. कम्बोज ने कहा की इस लैब को स्थापित करने के पीछे मुख्य उद्देश्य छात्रों को कृषि, कृषि संबंधित तकनीकों में नवीनतम तकनीकों के साथ परिचित करना है जिनमे मुख्यतः कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, ड्रोन, सेंसर, कैड डिजाइनिंग और सिम्युलेशन, प्रिसीजन कृषि आदि शामिल हैं। यह प्रयोगशाला विभिन्न सेंसर्स के माध्यम से व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए उपयुक्त है। मोबाइल, कंप्यूटर, और सेंसर के माध्यम से विभिन्न कृषि गतिविधियों जैसे कि स्मार्ट फार्मिंग, प्राथमिक प्रसंस्करण, मृदा की नमी, मौसम की जानकारी, फसल के रोग और इसके उपचार जैसी कृषि सूचना को इन्टरनेट के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।

इस अवसर पर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के डीन डॉ. बलदेव डोगरा, विभागाध्यक्ष डॉ. विजया रानी सहित सभी महाविद्यालयों के डीन, निदेशक और अधिकारी तथा कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के सभी विभागों के विभागाध्यक्ष एवं संकाय के सदस्य उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	11.12.2023	--	--

हकृवि में किया गया रोबोटिक्स एवं ऑटोमेशन लैब का हुआ उद्घाटन

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 11 दिसम्बर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में स्थित रोबोटिक्स एवं ऑटोमेशन लैब का उद्घाटन उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा), आई. सी. ए. आर, नई दिल्ली डॉ. आर.सी. अग्रवाल द्वारा कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अगुवाई में किया गया। यह रोबोटिक्स और ऑटोमेशन लैब, नैशनल एग्रीकल्चरल हायर एजुकेशन प्रोजेक्ट (एनएएचईपी)-इंस्टीट्यूट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (आईडीपी) के अंतर्गत भारत सरकार और विश्व बैंक की सहायता से स्थापित की गई है। उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने उद्घाटन के दौरान कहा कि इस प्रकार की लैब भारतीय कृषि को तकनीक के एक नए युग में पहुंचाने में एक मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कृषि तकनीक के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने हेतु एनएएचईपी-आईसीएआर की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया तथा कहा की हरियाणा के छात्रों के तकनीकी कौशल को बढ़ाने के लिए एनएएचईपी-आईसीएआर की तरह अन्य परियोजनाओं को जारी रखना चाहिए जिससे स्थानीय उद्योगों और वैश्विक कंपनियों के लिए कौशल युक्त अभियंता तैयार हो सके। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा की इस लैब को स्थापित करने के पीछे मुख्य उद्देश्य छात्रों को कृषि, कृषि संबंधित तकनीकों में नवीनतम तकनीकों के साथ परिचित करना है जिनमे मुख्यतः कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, ड्रोन, सैंसर, कैड डिजाइनिंग और सिमुलेशन, प्रिसीजन कृषि आदि शामिल हैं। यह प्रयोगशाला विभिन्न सैंसर्स के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए उपयुक्त है। मोबाइल, कंप्यूटर, और सैंसर के माध्यम से विभिन्न कृषि गतिविधियों जैसे कि स्मार्ट फार्मिंग, प्राथमिक प्रसंस्करण, मृदा की नमी, मौसम की जानकारी, फसल के रोग और इसके उपचार जैसी कृषि सूचना को इन्टरनेट के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। इस अवसर पर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के डीन डॉ. बलदेव डोगरा, विभागाध्यक्ष डॉ. विजया रानी सहित सभी महाविद्यालयों के डीन, निदेशक और अधिकारी तथा कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के सभी विभागों के विभागाध्यक्ष एवं संकाय के सदस्य उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	12-12-23	3	3-6

• यूएनओ की टीम ने एचएयू का किया दौरा, विभिन्न परियोजनाओं की दी जानकारी

एबिक सेंटर के माध्यम से प्रशिक्षण लेकर युवा कृषि क्षेत्र में कर सकते हैं स्टार्टअप : डॉ. गेरा

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग यूएनओ की तीन सदस्यीय टीम ने दौरा किया। इस टीम में योजना अधिकारी इग्नोसियो ब्लैंकों, आर्थिक मामलों के अधिकारी मार्ता पेरेज व परियोजना अधिकारी इशराक फजल मौजूद रहे। इनके अलावा हरियाणा सरकार के विदेशी सहकारिता विभाग से सुलेगना रॉय सहित नई दिल्ली के इंटेलिकेप ग्रुप से अमन गोखले, श्वेता भटनागर एवं शिवांशु शर्मा भी मौजूद रहे।

संयुक्त राष्ट्र संगठन से आई टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति सचिवालय में बैठक की, जिसमें कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा ने टीम के सदस्यों का स्वागत किया और उन्हें विश्वविद्यालय में चल रहे शैक्षणिक, गैर-शैक्षणिक सहित अन्य गतिविधियों, कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह विश्वविद्यालय हरियाणा के प्रत्येक गांव से जुड़ा हुआ है और सभी को तकनीकी सहायता के साथ-साथ स्वरोजगार के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करवा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनओ) की टीम के साथ मौजूद हकृवि के अधिकारीगण व वैज्ञानिकगण।

इस बैठक में विश्वविद्यालय की तरफ से किसानों के हित के लिए उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाएं, योजनाएं, फसलों की उन्नत किस्में व प्रशिक्षणों के बारे में जानकारी दी। योजना अधिकारी इग्नोसियो ब्लैंकों ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग का मुख्य उद्देश्य कृषि उद्यमियों को प्रशिक्षित कर स्वरोजगार स्थापित करना है।

इसके बाद टीम ने विश्वविद्यालय में नाबार्ड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर एबिक का दौरा किया। जहां प्रिंसीपल इन्वेस्टीगेटर आरकेवीवाई डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि एबिक सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाइसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। अभी तक 100 से ज्यादा स्टार्टअप एबिक सेंटर से प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना स्वरोजगार शुरू कर चुके हैं। इस दौरान टीम के सदस्यों ने एबिक द्वारा स्थापित स्टार्टअपस अल्फा एडवानटेक कंपनी के निदेशक नितिन ललित, काम्बोज हनी बी फार्म प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक सुभाष, धर्मबीर फूड प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक धर्मबीर, महिला उद्यमी दीपिका अहलावत, विशाल, अरविन्द, सतीश व प्राकृतिक खेती पर काम कर रहे मुकेश काम्बोज से उनके व्यवसाय के बारे में चर्चा की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय एवं इससे जुड़े महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, शिक्षाविद्, वैज्ञानिक सहित गैर-शिक्षक कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	12.12.23	2	5-6

हिसार में संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनओ) की टीम के साथ मौजूद एचएयू के अधिकारीगण व वैज्ञानिकगण। स्रोत संस्थान

कृषि उद्यमियों को प्रशिक्षित कर स्वरोजगार स्थापित करें

प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग की तीन सदस्यीय टीम एचएयू पहुंची

हिसार। संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनओ) की तीन सदस्यीय टीम ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का दौरा किया। टीम में योजना अधिकारी इग्नोसियो ब्लैंकों, आर्थिक मामलों के अधिकारी मार्ता पेरेज व परियोजना अधिकारी इशराक फजल मौजूद रहे। इनके अलावा हरियाणा सरकार के विदेशी सहकारिता विभाग से सुलेगना रॉय सहित नई दिल्ली के इंटेलिकेप ग्रुप से अमन गोखले, श्वेता भट्नागर एवं शिवांशु शर्मा भी मौजूद रहे।

योजना अधिकारी इग्नोसियो ब्लैंकों ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग का मुख्य उद्देश्य कृषि उद्यमियों को प्रशिक्षित कर स्वरोजगार स्थापित करना है, ताकि वह अपना स्वरोजगार स्थापित कर सकें एवं आर्थिक रूप से समृद्ध हो सकें और हर कृषि उद्यमी किसानों से सीधे तौर पर जुड़कर उन्हें लाभ प्रदान करवा सकें। संयुक्त राष्ट्र संगठन से आई टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति सचिवालय में बैठक की। कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा ने टीम को विश्वविद्यालय में चल रहे शैक्षणिक, गैर-शैक्षणिक सहित अन्य गतिविधियों, कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

टीम ने विश्वविद्यालय में नाबार्ड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) का दौरा किया। प्रिंसिपल इन्वेस्टीगेटर (आरकेवीवाई) डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि एबिक सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप पर जानकारी दी।इस मौके पर अल्फा एडवानटेक कंपनी के निदेशक नितिन ललित ने भ्रमण किया। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	12-12-23	11	5-8

संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग की टीम ने किया एचएयू का दौरा

हरिभूमि न्यूज >> हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनओ) की तीन सदस्यीय टीम ने दौरा किया। इस टीम में योजना अधिकारी इग्नोसियो ब्लैंकों, आर्थिक मामलों के अधिकारी मार्ता पेरेज व परियोजना अधिकारी इशराक फजल मौजूद रहें। इनके अलावा हरियाणा सरकार के विदेशी सहकारिता विभाग से सुलेगना रॉय सहित नई दिल्ली के इंटेलिकेप ग्रुप से अमन गोखले, श्वेता भट्नागर एवं शिवांशु शर्मा भी मौजूद रहे। संयुक्त राष्ट्र संगठन से आई टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति सचिवालय में बैठक की, जिसमें कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा ने टीम के सदस्यों का स्वागत किया और उन्हें विश्वविद्यालय में चल रहे शैक्षणिक, गैर-शैक्षणिक सहित अन्य गतिविधियों, कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस बैठक में विश्वविद्यालय की ओर से किसानों के हित के लिए उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाएं, योजनाएं, फसलों की उन्नत किस्में व प्रशिक्षणों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद टीम ने विश्वविद्यालय में नाबार्ड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) का दौरा किया, जहां प्रिंसीपल इन्वेस्टीगेटर (आरकेवीवाई) डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि एबिक सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। अभी तक 100 से ज्यादा स्टार्टअप एबिक सेंटर से प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना स्वरोजगार शुरू कर चुके हैं। इस दौरान टीम के सदस्यों ने एबिक द्वारा स्थापित स्टार्टअपस अल्फा एडवानटेक कंपनी के निदेशक नितिन ललित, काम्बोज हन्नी बी फार्म प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक सुभाष, धर्मबीर फूड प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक धर्मबीर, महिला उद्यमी दीपिका अहलावत, विशाल, अरविन्द, सतीश व प्राकृतिक खेती पर काम कर रहे मुकेश कम्बोज से उनके व्यवसाय के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की। साथ ही टीम ने पूनिया एंड पूनिया एग्रो प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक राजेंद्र सातरोड से मुलाकात कर फैक्टरी का भ्रमण भी किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय एवं इससे जुड़े महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, शिक्षाविद्, वैज्ञानिक सहित गैर-शिक्षक कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

हिसार। यूएनओ की टीम के साथ मौजूद हकृवि के अधिकारी, वैज्ञानिक व अन्य। फोटो: हरिभूमि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	12.12.23	3	1

संयुक्त राष्ट्र की टीम ने हकृवि का किया दौरा

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग की तीन सदस्यीय टीम ने दौरा किया। टीम में योजना अधिकारी इग्रनोसियो ब्लैंकों, आर्थिक मामलों के अधिकारी मार्ता पेरेज व परियोजना अधिकारी इशरांक फजल मौजूद रहे। हरियाणा सरकार के विदेशी सहकारिता विभाग से सुलेगना राय सहित नई दिल्ली के इंटेलिकेप ग्रुप से अमन गोखले, श्वेता भट्नागर एवं शिवांशु शर्मा मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	11.12.2023	--	--

यूएनओ की टीम ने हकृवि का किया दौरा, विभिन्न परियोजनाओं की दी जानकारी

सिटीपल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनओ) की तीन सदस्यीय टीम ने दौरा किया। इस टीम में योजना अधिकारी इग्नोसियो ब्लैंको, आर्थिक मामलों के अधिकारी मार्ता पेरेज व परियोजना अधिकारी इशराक फजल मौजूद रहे। इनके अलावा हरियाणा सरकार के विदेशी सहकारिता विभाग से सुलेगना रॉय सहित नई दिल्ली के इंटेलिकेप ग्रुप से अमन गोखले, श्वेता भट्नागर एवं शिवांशु शर्मा भी मौजूद रहे। संयुक्त राष्ट्र संगठन से आई टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति सचिवालय में बैठक की, जिसमें कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा ने टीम के सदस्यों का स्वागत किया और उन्हें विश्वविद्यालय में चल रहे शैक्षणिक, गैर-शैक्षणिक सहित अन्य गतिविधियों, कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह विश्वविद्यालय हरियाणा के प्रत्येक गांव से जुड़ा हुआ है और सभी को तकनीकी सहायता के साथ-साथ स्वरोजगार के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान करवा रहा है। इस बैठक में विश्वविद्यालय की ओर से किसानों के हित के लिए उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाएं, योजनाएं, फसलों की उन्नत किस्में व प्रशिक्षणों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हरियाणा के हर क्षेत्र में स्थापित विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र किसानों को जागरूक करने का काम कर रहे हैं, जिस पर संयुक्त राष्ट्र से आई टीम ने विश्वविद्यालय की ओर से चलाई जा रही उपरोक्त योजनाओं की सराहना की। योजना अधिकारी इग्नोसियो ब्लैंको ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग का मुख्य उद्देश्य कृषि उद्यमियों को प्रशिक्षित कर स्वरोजगार स्थापित करना है ताकि वो अपना स्वरोजगार स्थापित कर सकें एवं आर्थिक रूप से समृद्ध हो सकें तथा हर कृषि उद्यमी किसानों से सीधे तौर पर जुड़कर उन्हें लाभ प्रदान करवा सके। इसके बाद टीम ने विश्वविद्यालय में नाबार्ड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) का दौरा किया, जहां प्रिंसीपल इन्वेस्टीगेटर (आरकेवीवाई) डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि एबिक सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिंग, ट्रैडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	12.12.2023	--	--

यू.एन.ओ. की टीम ने हकृवि का किया दौरा, विभिन्न परियोजनाओं की दी जानकारी

हिसार, 11 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यू.एन.ओ.) की तीन सदस्यीय टीम ने दौरा किया। इस टीम में योजना अधिकारी इग्रनोग्रियो ब्लैंकों, आर्थिक मामलों के अधिकारी मार्ता पेरेज व परियोजना अधिकारी इशराक फजल मौजूद रहे।

इनके अलावा हरियाणा सरकार के विदेशी सहकारिता विभाग से सुलेगना रॉय सहित अमन गोखले, श्वेता भट्नागर एवं शिवांशु शर्मा भी मौजूद रहे।

संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यू.एन.ओ.) की टीम के साथ मौजूद हकृवि के अधिकारी व वैज्ञानिकगण।

संयुक्त राष्ट्र संगठन से आई टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति सचिवालय में बैठक की, जिसमें कुलपति के ओ.एस.डी. डॉ. अतुल ढींगड़ा ने टीम के सदस्यों का स्वागत किया। योजना अधिकारी इग्रनोसियो ब्लैंकों ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग का मुख्य उद्देश्य कृषि उद्यमियों को प्रशिक्षित कर स्वरोजगार स्थापित करना है ताकि वो अपना स्वरोजगार स्थापित कर सकें एवं आर्थिक रूप से समृद्ध हो सकें तथा हर कृषि उद्यमी किसानों से सीधे तौर पर जुड़कर उन्हें लाभ प्रदान करवा सके।

इसके बाद टीम ने विश्वविद्यालय में नाबार्ड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनैस इंक्यूबेशन सैंटर (एबिक) का दौरा किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	11.12.2023	--	--

अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को स्टार्टअप शुरू करने की मिलेगी प्रेरणा : डॉ. आर.सी. अग्रवाल

हकृवि में आयोजित दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव का हुआ समापन

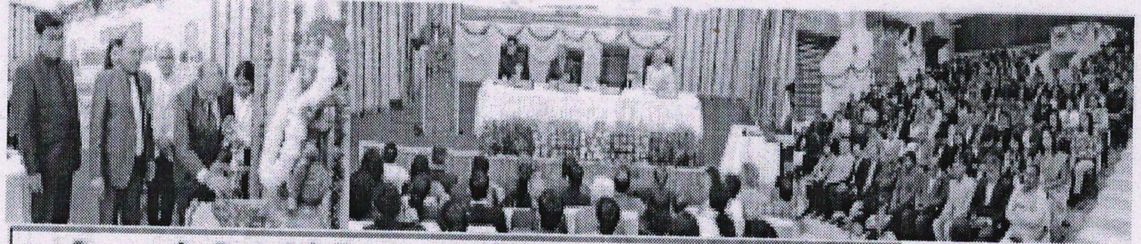

पाठकपक्ष न्यूज़

हिसार, 11 दिसम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्यातिथि डॉ. आर.सी.अग्रवाल ने अपने संबोधन में उपस्थित विद्यार्थियों को राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना एनएएचईपी की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर कृषि विश्वविद्यालयों में उपरोक्त परियोजना के माध्यम से उच्चतर संस्थानों में तेजी से विकास हुआ है। इस परियोजना के अंतर्गत आईडीपी इन्स्टीट्यूशनल प्लान के तहत कृषि विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण व शोध के लिए विभिन्न देशों के कृषि विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थानों में भेजा जा रहा है ताकि विद्यार्थियों के अंदर आत्मविश्वास विकसित हो व उनके ज्ञान में भी वृद्धि हो। उन्होंने बताया कि विश्व बैंक ने एनएएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के द्वारा सभी लक्ष्यों की प्राप्ति करने पर प्रशंसा जाहिर की, जोकि हम सभी के लिए गर्व की बात है। मुख्यातिथि ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की आईडीपी इकाई की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत 2 हजार से अधिक विद्यार्थी 55 देशों में शोध एवं प्रशिक्षण के लिए भेजे गए थे, जिसके माध्यम से कृषि क्षेत्र में नए शोध, तकनीकों, नवाचारों व प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत 450 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एमओयू हुए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि एनएएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के तहत प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थी अपने अनुभवों के आधार पर स्वरोजगार स्थापित करें व दूसरों को भी रोजगार देने वाले बनें साथ ही वे अपने विषयों में प्राप्त आधारभूत जानकारी पर निर्भर न रहकर उनकी गहन जानकारी प्राप्त करें। इसके अलावा विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में मार्केटिंग के नए-नए तरीकों को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भविष्य की चुनौतियों जैसे-जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, खाद्य भंडारण, पोषण सुरक्षा सहित अन्यों से निपटने के लिए नवीनतम तकनीकों को अपनाना होगा। मुख्यातिथि अग्रवाल ने कहा कि कृषि क्षेत्र की नई-नई तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने के लिए विद्यार्थियों को प्रयास करने चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विश्वविद्यालय, दापोली, गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, शेर ए कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, जम्मू, वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी, शेर ए कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर व डॉ. वाईएस.परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन से एनएएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के अंतर्गत विदेश के विभिन्न संस्थानों में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके विद्यार्थियों ने अपने अनुभव भी साझा किए।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय एवं इससे जुड़े सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शोधार्थी सहित विद्यार्थी मौजूद रहे। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने मुख्यातिथि सहित सभी का स्वागत किया, जबकि स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता एवं आईडीपी परियोजना के प्रमुख अन्वेषक डॉ. के.डी.शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच का संचालन डॉ.अमित विधार व छात्रा स्नेहा ने किया।

हकृवि अपने विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय तकनीक व एक्सपोजर देने में निभा रहा अग्रणी भूमिका : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

कुलपति प्रो.बी.आर. काम्बोज ने अपने अध्यक्षीय भाषण में विश्वविद्यालय में एनएएचईपी परियोजना के बारे बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कृषि उच्चतर कृषि शिक्षा परियोजना कृषि क्षेत्र में उच्चतर शिक्षा को मजबूती देने हेतु भारत सरकार की एक अहम परियोजना है, जिसके तहत शैक्षणिक संस्थानों में संस्थागत विकास को मजबूत करने व अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाने और कृषि के क्षेत्र में शिक्षकों व विद्यार्थियों को सक्षम बनाने के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संस्थागत विकास, पाठ्यक्रम विकास, फैकल्टी क्षमता विकास, नवाचार व उद्यमिता के साथ संस्कृति को बढ़ावा देना इस परियोजना के मुख्य उद्देश्य हैं। उन्होंने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में एनएएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट 2018 से क्रियान्वित है, जिसके अंतर्गत विश्वविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विदेशी संस्थानों एवं कृषि विश्वविद्यालयों के साथ अनुबंध किए हैं। इस प्रोजेक्ट के तहत हकृवि में 5 प्रयोगशालाएं एवं 14 व्याख्यान कक्षों का नवीनीकरण किया है व नए उपकरण एवं पुस्तकें भी खरीदी हैं। हकृवि के 32 शिक्षकों ने उपरोक्त परियोजना के तहत विभिन्न देशों जैसे अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पोलैंड इत्यादि देशों में आयोजित प्रशिक्षणों, कार्यशालाओं में हिस्सा लिया है। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के 102 विद्यार्थी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं, जबकि 44 विद्यार्थी प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हकृवि ने दो अंतर्राष्ट्रीय व एक राष्ट्रीय सम्मेलन को सफल रूप से आयोजित किए हैं। इसके साथ ही विद्यार्थियों के लिए देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में आवश्यक प्रशिक्षण भी आयोजित किए गए व 8 कौशल विकास प्रशिक्षण, एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित एक प्रशिक्षण व कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार को बढ़ाने के लिए 5 स्टार्टअप भी शुरू किए गए हैं। प्रो. काम्बोज ने उपस्थित छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे विदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों से सीखी गई तकनीकों को अपने साथियों के साथ साझा करें व देश को कृषि क्षेत्र में मजबूती प्रदान करें। साथ ही कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार स्थापित करने के लिए कृषि को एक व्यवसाय के रूप में अपनाएं।